ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 26-09-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-09-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-09-27	2023-09-28	2023-09-29	2023-09-30	2023-10-01
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	36.0	37.0	37.0	36.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	27.0	27.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	49	41	44	36	26
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	19	18	17	15	11
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	11	17	15	12
पवन दिशा (डिग्री)	277	256	255	258	280
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 36.0 से 37.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 26.0 से 27.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

आगामी दिनों में मौसम साफ और शुष्क रहने की सम्भावना है। किसान भाई बाजरा, मूँग तथा तिल की फसल को अच्छी तरह धुप में सुखाने के बाद ही थ्रेसिंग करें।

लघु संदेश सलाहकार:

खरीफ फसलों की कटाई के बाद खेत की मेड़ो व रास्तों से खरपतवारों को साफ करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँगफली	अगेती बुवाई की गई मूंगफली की फसल पकाव अवस्था पर है इसलिए जमीन खोदकर देख ले कि फलिया पक गई है या नहीं। अगर 80 प्रतिशत फलियां पक गई हो तो मूंगफली की खुदाई करें।
मूँग	मूंग मोठ और तिल की फसल पकाव की ओर अग्रसर है अतः किसान भाई उचित पकाव अवस्था पर फसलों कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	बदलते मौसम में पशुओं में खुरपका-मुंहपका रोग के फैलने की संभावना रहती है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	अगर सम्भव हो तो खरीफ फसलों की कटाई के बाद खाली खेत में 8-10 टन गोबर की खाद प्रति हैक्टेयर में डालें जो मृदा के भौतिक व जैविक गुणों को बडाती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता भी बडती है।
सामान्य सलाह	सौफ की बुवाई का समय मध्य सितम्बर से मध्य अक्टूबर तक है। आर.एफ-125, आर.एफ-143, आर.एफ-101 उन्नत किस्मों की बुवाई करें। बीज दर 8-10 किलो प्रति हैक्टेयर रखें। 30 किलो नत्रजन व 40 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय दें।
सामान्य सलाह	शुष्क मौसम की स्थिति को देखते हुए नए लगाए गए फलों के पौधों और सब्जियों के खेतों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखें।